

आघात पुं. (तत्.) 1. धक्का, टक्कर, ठोकर 2. प्रहार, चोट 3. बूचड़खाना 4. वध 5. किसी दुर्घटना के कारण मानसिक चोट या कष्ट 6. विपत्ति।

आघातक पुं. (तत्.) 1. आघात करने वाला 2. (राइफल या) बंदूक का घोड़ा, तोप का खटका

आघातन पुं. (तत्.) 1. अचानक लगा धक्का 2. प्रहार 3. प्रहार से लगने वाली चोट 4. वध, हत्या 5. मानसिक कष्ट 6. आघात करने की क्रिया अथवा भाव।

आघातवर्धन पुं. वि. (तत्.) चोट लगने पर आकार में बढ़ जाना या बढ़ जाने वाला।

आघातवर्धनीय वि. (तत्.) [आघात+वर्धनीय] धातु आदि पदार्थ का वह गुण, जिसके कारण, हथौड़े की चोट लगने से वह टूटता नहीं, अपितु फैल जाता है, सोने और चाँदी के वरक, इन धातुओं के इसी गुण के कारण निर्मित होते हैं।

आघातवर्धनीयता पुं. (तत्.) [आघात+वर्धनीयता] हथौड़े की चोट लगने पर धातु के फैलने का गुण।

आघातवर्ध्यता स्त्री. (तत्.) (आघात+वर्ध्यता) हथौड़े की चोट लगने पर धातु के फैलने का गुण, इस गुण के कारण धातु का चोट लगने पर चूरा नहीं होता।

आघात-वाद्य पुं. (तत्.) संगी. अंगुलियों, हाथ या चोब डंडियों से पीट कर बजाए जाने वाले वाद्य यंत्र जैसे- पियानों, जलतरंग, तबला, ढोल आदि। दे. वाद्य (यंत्र)।

आधार पुं. (तत्.) 1. यज्ञ में घी की आहुति 2. घी 3. छिड़काव।

आधी स्त्री. (तद्.) 1. महाजन से लिया गया ऐसा ऋण, जिसके ब्याज का भुगतान पैसे के बदले फसल से किया जाता है 2. ऐसी ही व्यवस्था से दिया जाने वाला अन्न।

आधु पुं. (तत्.) आदर, सम्मान, इज्जत।

आघूर्ण वि. (तत्.) 1. भौ. (i) किसी बिंदु से अक्ष की दिशा में गति उत्पन्न करने की प्रवृत्ति (ii)

इसका माप 2. गणि. एक विचर के किसी घात का मध्यमान 3. हिलता हुआ, घूमता हुआ moment

आघूर्णन पुं. (तत्.) अपने अक्ष पर चक्कर खाना।

आघोष पुं. (तत्.) 1. ऊँची आवाज से बुलाना, जोर से कुछ कहना 2. गर्वपूर्ण कथन 3. घोष, मुनादी, ऐलान 4. आह्वान।

आघोषण पुं. (तत्.) सरकारी आज्ञा अथवा आदेश का ऐलान, मुनादी, ढिंढोरा।

आघ्राण पुं. (तत्.) 1. सूँघना 2. अघाना, तृप्ति।

आघ्रात वि. (तत्.) 1. सूँघा हुआ 2. तृप्त 3. सुगंधित, सुवासित।

आघ्रेय वि. (तत्.) सूँघने योग्य, जो सूँघा जा सके।

आचंचल वि. (तत्.) अस्थिर, चंचल

आचंभ पुं. (तत्.) आश्चर्य, अचम्भा।

आचमन पुं. (तत्.) 1. जल पीना 2. पूजन के पहले शुद्धि के लिए हथेली में जल लेकर पीना सुइकाना 3. सुगंधबाला या नेत्रबाला नाम की एक औषधि।

आचमनक पुं. (तत्.) आचमन करने का जल।

आचमनी स्त्री. (तत्.) कलछी की शकल की छोटी गोल चमची जिससे आचमन करते और चरणामृत बाँटते हैं।

आचमनीय वि. (तत्.) 1. आचमन के योग्य 2. आचमन करने का जल।

आचमित वि. (तत्.) 1. आचमन किया हुआ 2. पिया हुआ।

आचरज पुं. (तद्.) आश्चर्य, ताज्जुब, अचरज।

आचरण पुं. (तत्.) 1. चाल-चलन 2. कार्य-व्यवहार 3. अनुष्ठान।

आचरण नियमावली स्त्री. (तत्.) प्रशा. सरकारी कर्मचारियों के लिए अपरिहार्य नियमों का व्यवस्थित संकलन, जिनका उल्लंघन करने पर उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है। conduct rules